GJ-014043 Seat No.________

B. A. (Sem. IV) Examination

March / April – 2019

BAOOC - 403 : Hindi

(Hindi Sahitya ka Itihas - Sagun Bhaktikal Evam Ritikal)

Time : 3 Hours] [Total Marks : **70**

१ वैष्णव भक्ति के प्रतिष्ठापक आचार्यो का परिचय दीजिए । १४

अथवा

सगुण भक्ति के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

२ रामभक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए । १४

अथवा

राम काव्य के विकास में गोस्वामी तुलसीदास के योगदान की चर्चा कीजिए ।

३ कृष्णभक्ति काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

अष्टछाप को समझाते हुए अष्टछाप के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय दीजिए ।

४ रीतिकाल की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

संक्षेप में लिखिए :

(१) रीतिबद्ध काव्य

(२) घनानंद कवित्त

५ सूचना के अनुसार जवाब लिखिए :

(अ) सही विकल्प चुनिए : १०

(१) रामानुजाचार्य ने...........सिद्धान्त की स्थापना की । (द्वैताद्वैत,शुद्धाद्वैत,विशिष्टाद्वैत)

(२)..........ने पुष्टीमार्गीय भक्ति संप्रदायकी स्थापना की । (रामानुजाचार्य,वल्लभाचार्य,मध्वाचार्य)

(३) ....ने अपनी रचनाओं में राम का गुणगान किया है । (तुलसीदास,सूरदास,नंददास)

(४) तुलसीदास के पिता का नाम.............था । (सीतारामदुबे,आत्मारामदुबे,राजारामदुबे)

(५) ....अष्टछाप के कवि है । (सूरदास,रैदास,कबीरदास)

(६) जडिया.........को कहा जाता है । (कृष्णदास,नंददास,परमानंददास)

(७) सूर के पदों की भाषा..........है । ब्रज,अवधी,मैथिली)

(८) रीतिकाल को रीतिकाल नाम..........ने दिया ।
(विश्वनाथप्रसाद मिश्र,आचार्य रामचंद्र शुक्ल,मिश्र बन्धुओं)

(९) घनानंद..........कवि है । (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त)

(१०) .... राजा जयसिंह के दरबारी कवि थे । (देव, बिहारी, धनानंद)

(ब) जोड़े मिलाइए : ४

अ	ब
(१) विनयपत्रिका	(१) घनानंद
(२) भंवरगीत	(२) सूरदास
(३) साहित्यलहरी	(३)तुलसीदास
(४) इश्कलता	(४)नंददास